Topic - Democracy (4*)
Class - B.A - Degree - I (Hons) - paper - I - Unit - 7
Subject - Political Science
Date - 7 Apr. 2020

By - RAHUL KUMAR JHA

लोकतंत्र की समस्याएँ (Problems of Democracy) :-

यह तथ्य सर्वमान्य है कि आधुनिक विश्व व्यवस्था में लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था सबसे विकसित, समीचीन और सर्वस्वीकार्य हो चुका है। आज विश्व के हर देश में या तो सफलतापूर्वक लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का संचालन हो रहा है या फिर जहां कहीं भी अन्य राजनीतिक व्यवस्था अपने जड़वत अवस्था में कायम है उसके विरुद्ध किसी न किसी रूप में लोकतांत्रिक आंदोलन चल रहा है। फिर भी अनेक विशेषता होने के बावजूद प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था में भी कुछ समस्याएं है जो निम्नलिखित है-

(i) **अशिक्षा** :- अशिक्षा प्रजातंत्र का सबसे बड़ा दुश्मन है और यह दुश्मन भारत जैसे विकासशील और अन्य अविकसित व गरीब देश में विद्यमान है। भारत में 70%.

जनता अशिक्षित है। अभी तक भारत की जनता अपने अधिकारों तथा कर्तव्यों को नहीं समझ पाई है। परिणामस्वरूप, जनता को सरकार के कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है। अशिक्षा का नाजायज फायदा उठाकर सत्ता को खरीदा जाता है।

(ii) वर्गहीन समाज का अभाव :- प्रजातंत्र एक वर्गहीन समाज में ही पुष्पित हो सकता है। जब हम भारत के संदर्भ में इसकी विवेचना करते हैं, तब ठीक विपरीत पाते हैं। भारतीय समाज में आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक और लैंगिक विषमताएँ कायम हैं। इन विषमताओं के कारण ही भारत में लोकतंत्र सफल नहीं हो पा रहा है।

(iii) सुव्यवस्थित राजनीतिक दलों का अभाव :- प्रजातंत्र में वास्तव में राजनीतिक दल ही शासन व्यवस्था में भाग लेती है। राजनीतिक दल ही सरकार और जनता के बीच एक कड़ी का काम करती है। जिस देश में भ्रष्ट और अव्यवस्थित राजनीतिक दलों का वर्चस्व होगा वहां लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था का संचालन मुश्किल होगा।

(iv) संगठित जनमत का अभाव :- जनमत प्रजातंत्र का प्राण है। स्वस्थ जनमत के चलते ही प्रजातंत्र की रक्षा हो सकती है। भारत जैसे देश में स्वस्थ जनमत नहीं है। यहां के जनमत को हम 'भेड़ियाधसान' की संज्ञा दे सकते हैं। यहां का जनमत प्रतिक्रिया में चौरसलता है और बिना सोचे-समझे बड़ी-से-बड़ी भूल भी कर जाता है। इस तरह की स्थिति लोकतंत्र की बड़ी समस्या है।

(v) नैतिक गुणों का अभाव :- जिस देश की जनता, राजनेताओं और राजनीतिक दलों में नैतिक आदर्शों का अभाव है वहां सबके सब अपनी निजी स्वार्थसिद्धि में लिप्त रहते हैं जो लोकतांत्रिक आदर्शों की एक बड़ी समस्या है।

(vi) निष्पक्ष समाचारपत्रों का अभाव :- आजकल ऐसा देखा गया है कि कुछ समाचारपत्रों को छोड़कर सारे-के-सारे समाचारपत्र किसी-न-किसी दल-विशेष संपोषित हैं, जो प्रजातंत्र की बड़ी समस्या है।

उपर्युक्त तथ्यों से स्पष्ट है कि अनुकूल प्रजातांत्रिक वातावरण बनाने के लिए इन समस्याओं को दूर किया जाना आवश्यक है।

By
Rahul Kumar Jha
Dept.of Political science
J N College Madhubani.

Chapter End